Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue of closure of Chanpatia Sugar Mill.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): सभापति महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से चनपटिया चीनी मिल की दुर्दशा का मुद्दा उठाना चाहूंगा । यह चीनी मिल ब्रिटिश इंडिया कंपनी की थी । हमारी मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स उसको ओन करती थी । इन्होंने लिक्विडेट करने के लिए कहा कि एक दूसरा कोई प्राइवेट आदमी चीनी मिल चलाए । वह आदमी जमीन बेचने लगा । इसके कारण दोबारा जब बिहार सरकार ने ऑब्जेक्शन किया तो यह मामला अब प्रयागराज हाई कोर्ट में है । दी आफिशियल लिक्विडेटर यूपी के पास स्पेशल अपील में पीओ 1057/2001 के रूप में पड़ा हुआ है ।

इथेनॉल की कई सारी पॉलिसीज़ भारत सरकार लेकर आई है । जितनी भी मेरे यहां बंद पड़ी चीनी मिलें हैं, चनपटिया, मोतीपुर, चकिया, मोतिहारी, इन सभी को इथेनॉल के लिए, प्लांट के लिए भारत सरकार परमीशन दे । मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स और फाइनेंस मिनिस्ट्री के बीच में मेरे लोकसभा क्षेत्र का जो चनपटिया चीनी मिल का मामला प्रयागराज हाई कोर्ट में है, कृपया कर उसमें मंत्रालय को निर्देश दें कि इस मामले को खत्म कराया जाए ।